मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 75, मुंबई, सोमवार, 18 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

भाजपा नेता गणेश नाइक होंगे गिरफ्तार

राज्य महिला आयोग ने दिए संकेत

नवी मुंबई। बीजेपी नेता और विधायक गणेश नाइक की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गणेश नाइक पर जान से मारने की धमकी देने और महिला की मर्जी के खिलाफ यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। महिला की शिकायत पर गणेश नाइक के खिलाफ नवी मुंबई और नेरुल पुलिस थानों में मामला दर्ज किया गया है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने कहा कि जल्द ही इस मामले में गणेश नाइक को गिरफ्तार किया जाएगा और आगे की कार्रवाई की जाएगी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

गणेश नाइक के खिलाफ महिला द्वारा धमकी देने के आरोप लगाने के बाद आपराधिक मामला दर्ज

पीड़ित महिला ने दावा किया कि वह पिछले 27 सालों से गणेश नाइक के साथ लिव इन रिलेशनशिप में है, गणेश नाइक ने लिव इन रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चे को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है

पालघर जिले में 7.04 लाख रुपए कीमत की नशीला पदार्थ बरामद

88 ग्राम एमडी के साथ तीन आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पालघर में नशीले पदार्थों की तस्करी थमती नही दिख रही है। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 7.04 लाख रुपए कीमत का नशीला पदार्थ बरामद किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नालासोपारा में स्वापक रोधी प्रकोष्ठ की टीम ने आरोपियो के पास से 88 ग्राम एमडी नशीला पदार्थ बरामद किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मुंबई पुलिस आयुक्त ने शांतिपूर्वक त्योहार मनाने के लिए नागरिकों का जताया आभार

एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, कुछ घटनाओं को छोड़कर, ये सभी त्योहार और समारोह शहर में बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए

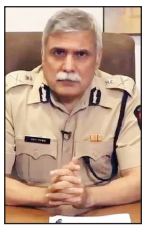

मुंबई। मुंबई के पुलिस आयुक्त संजय पांडेय ने पिछले कुछ दिनों में मनाये गए विभिन्न त्योहारों के दौरान शांति बनाए रखने के लिए रविवार को शहर के निवासियों को धन्यवाद दिया। पांडेय ने ट्विटर पर कहा, मुंबईवासियों का धन्यवाद। पिछले सप्ताह सभी उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मोदी के खिलाफ 'महा' मोर्चे की तैयारी

मुंबई में होगी गैर-बीजेपी मुख्यमंत्रियों की बैठक!

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। 2024 से पहले बीजेपी के खिलाफ मोर्चा बनाने के लिए गोलबंदी तेज हो रही है। इस बीच शिवसेना ने संकेत दिए हैं मुंबई में जल्द गैर बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक हो सकती है। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा है कि देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए मुंबई में जल्द ही गैर-बीजेपी मुख्यमंत्रियों का एक सम्मेलन होने की संभावना है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शिवसेना का तंज, पहले गंगा में नहाकर पाप धुलें फिर अयोध्या जाएं राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे के अयोध्या जाने के ऐलान के बाद शिवसेना ने भी पलटवार करते हुए मनसे को आइना दिखाया है। शिवसेना प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा, हमने आज सुना कि 5 जून को राज ठाकरे अयोध्या जा रहे हैं। यह अच्छी बात है, श्री राम भगवान सबको सद्बुद्धि दें। लेकिन जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ता उसी अयोध्या से आए हुए युवकों और हिंदुओं को मार कर, पीट कर भगा रहे थे, तब राज ठाकरे कहां थे? राज ठाकरे अयोध्या जरूर जाएं, लेकिन अयोध्या जाने से पहले गंगा नदी में डुबकी लगाकर क्षमा याचिका कर पवित्र हो जाइए और तब अयोध्या जाइए, नहीं तो श्री राम भी आपको क्षमा नहीं करेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

न्याय पर बोझ

त्वरित न्याय ही वास्तविक न्याय होता है और त्वरित न्याय के लिए पूरे संसाधन और पर्याप्त न्यायाधीश भी होने चाहिए। अतः अपने देश के प्रधान न्यायाधीश का यह इशारा स्वाभाविक और स्वागतयोग्य है कि न्यायपालिका पर बहुत बोझ है और पर्याप्त संख्या में अदालतें होंगी, तो ही न्याय संभव है। बीते वर्ष से ही देश की सर्वोच्च अदालत में सुनवाइयों के दौरान ट्रिब्यूनल में रिक्त पदों का मुद्दा उठता रहा है। शीर्ष अदालत की नाराजगी भी सामने आती रही है। यह अपने आप में गंभीर बात है कि देश के प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका में कमी को लेकर एकाधिक बार अपनी राय रख चुके हैं। प्रधान न्यायाधीश ने शुक्रवार को तेलंगाना स्टेट ज्युडिशियल कॉन्फ्रेंस 2022 को संबोधित करते हुए कहा कि 'न्यायपालिका का बुनियादी ढांचा और रिक्त पदों पर भर्तियां चिंता का मुख्य विषय हैं। न्याय तक पहुंच तभी संभव है, जब हमें पर्याप्त संख्या में अदालतें मिलेंगी।' यह अपने आप में बेहद संवेदनशील विषय है कि न्यायपालिका में नियुक्तियों में देरी हो रही है। सरकार को देखना चाहिए कि बाधा कहां है? अदालतों ने पहले भी न्यायपालिका के विस्तार का पक्ष लिया है, लेकिन प्रशासन बहुत सजग नहीं दिखता। भारतीय न्यायपालिका पर जो बोझ है, वैसा दुनिया की किसी न्यायपालिका पर नहीं है। अभी भी मामलों को न्याय तक पहुंचने में तीस-चालीस साल भी लग जा रहे हैं। पुराने मुकदमों का निपटारा जल्दी नहीं हो रहा है और नए मुकदमे बढ़ते जा रहे हैं। यह बात अलग है कि कई मुकदमे प्रशासन की कमियों की वजह से हैं। खासकर गैर-फौजदारी मामलों में बहुत कमी आ सकती है, लेकिन प्रशासन का काम करने का तरीका निचले स्तर पर अपेक्षित गति से सुधर नहीं रहा। अदालतों के कागजी कामकाज का विस्तार भी लगातार हो रहा है, अतः न्याय में देरी ज्यादातर मामलों में एक सच्चाई है। न्याय में देरी से कुछ लोगों को फायदा होता है, लेकिन कुल मिलाकर शासन-प्रशासन की छवि खराब होती है। आम लोगों की नजर में न्याय या अन्याय अंततः सरकार की जिम्मेदारी है। फिर भी कोई भी राजनीतिक दल त्वरित न्याय को लेकर चिंतित नहीं दिखता। किसी के भी घोषणापत्र में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने की कोई रूपरेखा नहीं होती है। ऐसे में, हमारे न्यायाधीशों की शिकायत जायज है। क्या हमारी राजनीतिक पार्टियां लोगों को त्वरित न्याय का वादा नहीं कर सकती हैं? क्या यह लोकहित का मामला नहीं है? आज न्यायपालिका का विस्तार जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसमें समय के साथ आंतरिक सुधार। एक अनुमान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में साल भर में 200 दिन भी सुनवाई नहीं होती है। उच्च न्यायालयों में करीब 210 दिन और निचली अदालतों में करीब 245 दिन ही काम होता है। सर्वोच्च न्यायालय में करीब 73,000 मामले और भारत की सभी अदालतों में लगभग 4.40 करोड़ मामले लंबित हैं। मुकदमों की संख्या में हर साल बढ़ोतरी हो रही है। नीति आयोग के एक रणनीति पत्र के मुताबिक, अदालतों को तमाम दर्ज मामले सुलझाने में अभी के हिसाब से करीब 324 साल से अधिक समय लग जाएगा। हजारों मामले तीस-तीस साल से लंबित हैं। अतः न्यायपालिका के बोझ को हल्का करने और उसे त्वरित न्याय की दिशा में प्रेरित करने के भगीरथ प्रयासों की जरूरत है। त्वरित न्याय समाज में सुख-शांति और कानून के राज के लिए भी जरूरी है।

'व्यंग्य-लेख'

परिवार पालना गृहस्थ धर्म, महंगाई बन रही बाधा

नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

महंगाई हद से आगे बढ़ गयी है। परिणामस्वरूप परिवार का पालन-पोषण करना कठिन होता जा रहा है। मासिक पगार कब आती और कहा खत्म हो जाती है, पता ही नहीं चलता है। खाने का तेल 175 से 200 रु की ओर तेज गति से बढ़ रहा है। आटा-दाल भी दिनों दिन महंगे होते जा रहे है। साहब सच कहूं इस महंगाई ने दाल रोटी के भाव याद दिला दिए हैं। पद्रह हजार रु महीने में परिवार का गुजारा करना कठिन होता जा रहा है। घरेलू गैस की टंकी एक हजार रु पार हो गयी है। अब खाना पकाने के लिए इसकी जरूरत तो पड़ती ही है। बड़ी कठिनाई है हुजूर! आप तो सब के मन की बात जानते हो फिर यह महंगाई डायन को नियंत्रण करने का कोई उपाय क्यों नहीं करते हो। हे प्रधान सेवक जी! आपने तो अच्छे दिन लाने का वादा किया था। किंतु यह क्या अच्छे दिन की आस में बुरे ही नहीं बहुत बुरे दिनों से सामना हो रहा है। आप तो देश की नब्ज पहिचानते है, फिर क्यों महंगाई रूपी डायन अपना मुंह फाड़े जा रही है। इस डायन ने गरीब मध्यमवर्ग, मजदूर पेशा व्यक्ति को हलाकान कर रखा है। हे राष्ट्र चिंतक ! देश की सरकार को संवेदनशील होना चाहिए इतना संवेदनशील की आमजनमानस की दुख, तखलिफ ओर पीड़ा को समझ सके सिर्फ समझे ही नहीं आमजन के जीवन को सरल-सुगम ओर जीने लायक बनाने के हरसम्भव प्रयास करें, शायद आपकी सरकार को जनता की खबरें देने वाले अफसरान या तो गरीब, मध्यम वर्गीय ओर सामान्यजन का दर्द नहीं समझतें या फिर सरकार को इन वर्गों की असली हालातों से परिचित कराना ही नहीं चाहते। हे कृपा निधान ! आप ओर आपका दल जब विपक्ष में था तब कितना संवेदनशील था। मंहगाई से जूझती जनता के लिए सड़कों पर उतर जाता था। पेट्रोल डीजल के बढ़ते भावों को लेकर आपकी पार्टी के नेता बैलगाड़ी पर सवार होकर सरकार हिला देतें थै। आपकी पार्टी की एक नेत्री ने तो प्याज के बढतें भावों पर प्याज की माला पहनकर ऐसा प्रदर्शन किया था कि सारे देश के गरीब मध्यमवर्ग ओर सामान्यजनों ने उन्हें देश की बड़ी नेत्री बना दिया। आप ओर आपका दल सरकार के बाहर रहकर इतने संवेदनशील और मंहगाई के लिए लड़ने वाले नजर आतें थै। फिर ऐसा क्या हो गया कि सरकार में आतें ही जनता के मन की बात करने वाले नेता और दल सरकार में शामिल होते ही जनता के जीवन से जुड़ी सबसे बड़ी समस्या को लेकर उतने गम्भीर नहीं दिखाई दे रहें है, जितने विपक्ष में रहकर दिखाई दे रहें थै। विपक्ष में महंगाई कितना आकर्षक और चुनाव जिताओं मुद्दा था। यह क्या अब महंगाई को देश की समस्या मानने से ही आपके नेता इंकार करने लगे है। देश के वर्तमान विपक्ष की क्या बात करें आपने उन्हें इतना कमजोर बना दिया है की विपक्षी दलों के नेताओ में महंगाई के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन की काबलियत ही खत्म हो गयी हैं। आपके धारदार शब्दबाणो से धाराशाही विपक्ष एक जुट होकर देश की जनता की आवाज उठाने के काबिल भी नहीं रह गया है। नैतृत्व की लड़ाई में उलझा सम्पूर्ण विपक्ष आपकी सरकार के सामने अत्यंत बौना दिखाई देने लगा है। हे प्रजापिता! महंगाई सिर्फ खाने-पीने के समान तक सीमित नहीं है। बच्चो की पढ़ाई भी है। अब इस आधुनिक युग में बच्चो की शिक्षा भी तो जरूरी है। हर जिम्मेदार पॉलक का यह परम दायित्व है की वें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे, ताकि देश से अशिक्षा का अंधेरा दूर हो सके। किन्तु शिक्षा इतनी मंहगी हो गयी है कि देश मे गरीब मध्यमवर्ग ओर सामान्यजनों को अपने बच्चो को प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा दिलाना बस से बाहर होता जा रहा है। बड़े शहरों के अंग्रेजी स्कुलो की मोटी फीस भरना इतने कम वेतन में कहा सम्भव हो पाता है। हे शाहों के शाह! व्यवसाय में परिवर्तित होती शिक्षा गरीब मध्यमवर्ग से दूर होती जा रही है। हां सरकारी स्कूल भी है, किंतु वह इन निजी स्कूलों के आगे ठहर नहीं पा रहे है। हे भारत के उद्धारक ! सरकारी स्कूलों को शहर की निजी स्कूलों के मानिंद सुविधायक्त बनाने के प्रयास करें। सुना है दिल्ली में सरकारी शिक्षा को निजी स्कूलों की टक्कर का बनाने की कोशिश की गई है। ऐसी कोशिश आप ओर आपके दल को सारे देश मे करना चाहिए। हे प्रजापालक! निरन्तर कड़वे घुट पी-पीकर मुंह कसेला हो गया है। कोरोना महामारी ने अधमरा कर दिया था। उससे उभरे ही हैं कि मंहगाई की मार सहन करना बड़ा मुश्किल हो गया है। इन मुश्किलो के बीच उपजती चिंताओं के कारण तरह-तरह के रोग घेर रहें है। इन रोगों के इलाज के लिए शहर के निजी चिकित्सालयों में डॉक्टर की मोटी फीस ओर दवाइयों की लंबी फेहरिस्त बड़ी जानलेवा दिखाई देती है। स्वास्थ्य भी बहुत खचीर्ला है। गरीब तो इन मंहगे अस्पतालों से जैसे-तैसे बच भी गया तो इलाज के खर्चे में कर्जे के बोझ से दब जाता है। इन हालातों के मद्देनजर मंहगाई को नियंत्रित करने के उपाय करना बेहद जरूरी हो गया है। डीजल-पेट्रोल की कीमतों के लगातार बढ़ने के कारण छोटी-मोटी यात्रा करने से जेब पर भारी बोझ पड़ रहा है। हे राष्ट्र नायक ! देश की आमजनता महंगाई रूपी डायन से भयभीत है। इस डायन ने जनता को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से बेहद परेशान किया हुआ है। रातों की नींद दिन का चैन छिन लिया है। ऐसे में हे जनसेवक! इस बढ़ती मंहगाई को नियंत्रित कीजिये। जहां तक मासिक वेतन का सवाल है। आपकी मध्यप्रदेश सरकार द्वारा घोषित कलेक्टर दरों के अनुसार वर्ष 2021-22 हेतु अत्यधिक कुशल कर्मचारी को 12335 रु कुशल को 110350 रु अर्धकुशल 9657 रु एवं अकुशल को 8800 रु मासिक वेतन दिया जाता है। संभवत देश की अन्य राज्य सरकारें भी इसी तरह का मासिक वेतन देती होगी। यह दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन है। प्रायवेट नोकरी करने वालो को भी इसी तरह का वेतन मिलता है। इन मासिक वेतनों पर 4-5 सदस्यों के परिवार का पालन-पोषण करना कितना कठिन कार्य है। यह एक गृहस्थ व्यक्ति अच्छी तरह जानता है। इन परिस्थियों में महंगाई पर बहस होनी चाहिए सिर्फ बहस ही नहीं मंहगाई पर कठोर नियंत्रण होना चाहिए। भारतीय समाज मे परिवार पालना गृहस्थ का धर्म है और महंगाई इस धर्म की पालना में बाधक बन रहीं है। हे धर्म रक्षक महंगाई रूपी डायन का संहार कीजिये।

नफरत की राजनीति पर सोनिया का लेख

कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नफरत की राजनीति के खिलाफ ठोस स्टैंड लेते हुए कहा है कि 'कट्टरता, नफरत और विभाजन' की राजनीति से देश की नींव कमजोर हो रही है और इससे समाज को बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल उठाया है और कहा कि ऐसा क्या है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नफरत भरे भाषणों के खिलाफ खड़े होने से रोकता है? साझा विपक्ष की ओर से बयान जारी होने से पहले सोनिया गांधी ने अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' में लिखे लेख में कहा है- त्योहारों के साझा उत्सव, विभिन्न आस्थाओं वाले समुदायों के बीच अच्छे पड़ोसी वाले संबंध, ये सब युगों से हमारे समाज की गौरवपूर्ण विशेषता है। संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए इसे कमजोर करना भारतीय समाज और राष्ट्रीयता की समग्र और समन्वित नींव को कमजोर करना है। गौरतलब है कि हाल में रामनवमी के मौके पर कई जगह सांप्रदायिक झड़प हुई, उधर कर्नाटक में हिजाब और हलाल मीट का विवाद चल रहा है तो अजान को लेकर भी विरोध हो रहा है। इन सबके बीच सोनिया गांधी ने लिखा है- भारत को स्थायी उन्माद की स्थिति में रखने के लिए इस विभाजनकारी योजना का हिस्सा और भी घातक है। सत्तारूढ़ लोगों की विचारधारा के विरोध में सभी असहमतियों और राय को बेरहमी से कुचलने की कोशिश की जाती है। राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया जाता है। सोनिया गांधी ने अपने लेख में 'एक नए वायरस' की बात कही है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

भारत रत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की बैनर निकालने पर ठाणे घोडबंदर रोड पर हुआ बवाल

संवाददाता/समद खान

ठाणे। 14 अप्रैल गुरुवार देशभर में बड़ी ही धूमधाम से डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की 131 वीं अंबेडकर जयंती मनाई गई इस मौके पर पूरे थाना शहर में सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपने फोटो के साथ शुभेच्छा देते हुए डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के साथ बैनर हर जगह लगाए गए और थाना परिसर के घोडबंदर रोड पर काफी जगहों पर डॉ बाबासाहेब अंबेडकर के बैनर ही नजर आए गत 15 अप्रैल शुक्रवार थाने घोडबंदर स्थिति में मनपा प्रशासन द्वारा ब्रिज के नीचे लगाए हुए डॉ बाबासाहेब भीमराव के बैनर को निकाला जा रहा था इसी कारण स्थानीय रहवासी द्वारा जमकर

हंगामा किया गया और जमीन पर बैठकर मनपा प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया इस मौके पर पुलिस ने पहुंचकर हंगामे को शांत कराया और दोबारा से मनपा प्रशासन के कर्मचारियों से कहा डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के बैनर को लगा दिया जाए लेकिन रहवासियों का कहना है अभी एक ही दिन हुए हैं डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती हुए तो उस पर मनपा प्रशासन को इतनी जल्दी क्या है बैनर निकालने की हम तमाम लोगों की मांग है कि जो भी कर्मचारी अधिकारी मनपा प्रशासन का है उस पर कार्रवाई की जाए फिलहाल इस मामले में पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया और आगे की छानबीन इस मामले में पुलिस द्वारा की जा रही है।

देश के अलग-अलग राज्यों में सांप्रदायिक संगठनों द्वारा किये जा रहे मुसलमानों पर हिंसा को लेकर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। देश के अलग-अलग राज्यों में सांप्रदायिक संगठनों द्वारा मुसलमानों पर हिंसा को लेकर पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मतीन शेखानी द्वारा शुक्रवार 15 अप्रैल दारूल फलाह मस्जिद के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया उन्होंने अपने भाषण में देश के अलग-अलग राज्यों में जिस तरह से मुसलमानों पर अत्याचार किया जा रहा है चाहे वह मध्यप्रदेश के मुसलमान हो या गुजरात के मुसलमान हो इन दहशतगदीयों ने तमाम हदों को पार कर दिया हर एक मुसलमान के घर बुलडोजर से ध्वस्त करा दिए गए कई घरों में घुसकर लूटपाट मचाई आगजनी की तोड़फोड़ की हद तक की मस्जिदों में चढ़कर भगवा झंडा लहराया मजार शरीफ को आग के हवाले कर दिया जो जुल्म देशभर में मुसलमानों के साथ में किया जा रहा है उन्होंने कहां है पुलिस प्रशासन से निवेदन किया है कि दंगाइयों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए उन्होंने बताया यह सांप्रदायिक संगठन अपने त्यौहार के नाम पर जुलूस निकालते हैं और मुसलमानों को टारगेट कर उनके साथ हिंसक वारदातों को अंजाम देने का काम इन

संगठनों द्वारा किया जा रहा है उन्होंने प्रशासन से निवेदन किया है ऐसे संगठनों पर रोकथाम की जाए जिन राज्यों में मुसलमानों को टारगेट किया गया है भीड़ तंत्र की शक्ल में हाथों में नंगी तलवार लेकर मुसलमानों पर जिस तरह से तांडव किया जा रहा है उसको कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जो मुसलमान इन दंगाइयों का शिकार हुए हैं जिन पर एफआईआर दर्ज की गई है उन मजलूम के साथ पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पूरी ताकत से उनका केस लड़ेगी उन्होंने बताया कि जो षड्यंत्र देश को बांटने में जातिवाद के नाम पर किया जा रहा है उस षड्यंत्र को हम लोग कभी कामयाब होने नहीं देंगे कुछ राजनीतिक लोग मुसलमानों के दुश्मन बने हुए हैं उन्हें हमारी आजानो से मस्जिदों से मदरसों से तकलीफ हो रही है लेकिन हम उन्हें बता देना चाहते हैं कि हम अमन परस्त लोग हैं हम कानून को अपने हाथ में नहीं लेंगे और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का नारा है हर मजलूम हमारा है लेकिन हमारा दूसरा नारा भी है हम किसी को छेड़ते नहीं है लेकिन कोई हमारे साथ जुल्म करे तो हम उसे छोड़ते भी नहीं है उन्होंने राजनीतिक दल को चेतावनी दी है अगर अगर किसी ने भी मस्जिद में से लाउडस्पीकर उतारने की कोशिश की तो सबसे आगे उनको पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ही नजर आएगी उन्होंने मुंब्रा में राजनीतिक दल द्वारा दिए गए भाषणों में मुंब्रा शहर को बदनाम करने की कोशिश करने की बात कही है तो उन्होंने पुलिस प्रशासन से निवेदन किया है ऐसे राजनीतिक दलों पर शिकंजा कसे ताकि शहर का माहौल खराब ना हो और किसी भी तरह कानून व्यवस्था पर आंच न आए उन्होंने मुसलमान लोगों से भी अपील की है किसी भी तरह का कोई फालतू पोस्ट फेसबुक पर किसी भी धर्म को लेकर ना करें ऐसा कोई काम ना करें जिस पर मुसलमानों पर कानून का शिकंजा कसे हम लड़ेंगे कानून के दायरे में बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान के हिसाब से लड़ेंगे हम कानून को अपने हाथ में कभी नहीं लेंगे हमारे लिए न्यायालय खुले हैं और हमारा विश्वास न्यायालय पर है वहीं दूसरी ओर मुंब्रा पुलिस द्वारा मतीन शेखानी समित 30 लोगों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 37(3)135 के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया है मामला दर्ज करने का कारण बताया जा रहा है कि बिना परवानगी धरना प्रदर्शन किया गया और धमकी भरे भड़काऊ भाषण देने के मामला मै मुंब्रा पुलिस द्वारा केस दर्ज किया गया है आपको बताते चलें मतीन शेखानी पर 3 से 4 महीने पहले डायमंड हॉल के करीब में बिना पुलिस परवानगी के सभा लेने के और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करने के आरोप में 70 से 80 लोगों के विरुद्ध में मामला दर्ज किया गया था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

भाजपा नेता गणेश नाइक होंगे गिरफ्तार

शनिवार को पीड़िता ने दावा किया था कि वह पिछले 27 सालों से गणेश नाइक के साथ लिव इन रिलेशनशिप में है। गणेश नाइक ने लाइव एड रिलेशनशिप से पैदा हुए बच्चे को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। उस पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। ऐरोली विधानसभा क्षेत्र के विधायक गणेश नाइक के खिलाफ महिला ने मेल के जरिए राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद संबंधित महिला ने आमने-सामने बैठक कर घटना की विस्तृत जानकारी दी। राज्य महिला आयोग ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नवी मुंबई पुलिस को जांच करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। तदनुसार, 15 अप्रैल को नवी मुंबई पुलिस स्टेशन में गणेश नाइक के खिलाफ आईपीसी 506 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। 16 अप्रैल को नेरुल थाने में आईपीसी 376 के तहत मामला दर्ज किया गया है। राज्य महिला आयोगा की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने कहा कि दोनों थानों में दर्ज मामला गंभीर प्रकृति का है और गणेश नाइक को गिरफ्तार करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पालघर जिले में 7.04 लाख रुपए कीमत की नशीला...

मामले में पुलिस ने एहतेशाम मोहम्मद रफीक अंसारी, मुश्ताक मोहम्मद सईद खान और मोहम्मद नबी उस्मान कुरैशी को गिरफ्तार किया है। ये सभी नालासोपारा के निवासी हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर जांच में जुटी है।

मुंबई पुलिस आयुक्त ने शांतिपूर्वक त्योहार मनाने के लिए नागरिकों का आभार जताया

कुछ घटनाएं हुईं, लेकिन हमें समय पर जनता का समर्थन मिला। गौरतलब है कि देश में 10 अप्रैल को रामनवमी मनाई गई। इसके बाद, 14 अप्रैल को डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की 131वीं जयंती के साथ ही महावीर जयंती भी उसी दिन मनाई गई। गुड फ्राइडे और हनुमान जयंती क्रमशः 15 और 16 अप्रैल को मनाई गई जबकि ईस्टर रविवार को मनाया जा रहा है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, कुछ घटनाओं को छोड़कर, ये सभी त्योहार और समारोह शहर में बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह त्योहारों के दौरान देश के कुछ हिस्सों में झड़पों और हिंसा की घटनाएं सामने आयी थीं।

मोदी के खिलाफ 'महा' मोर्चे की तैयारी

बताते चलें कि इससे पहले पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सभी गैर बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को खत लिखा था। संजय राउत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है, जहां बीजेपी सत्ता में नहीं है। उन्होंने कहा कि पत्र में, देश में मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने की जरूरत को रेखांकित किया गया है। राउत ने कहा, एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) प्रमुख शरद पवार और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने इस पर चर्चा की है और मुंबई में इस तरह का एक सम्मेलन आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, केंद्रीय जांच एजेंसियों के 'दुरुपयोग', साम्प्रदायिक वैमनस्य पैदा करने की कोशिशें सहित विभिन्न मुद्दों पर आगामी बैठक में चर्चा की जाएगी। शनिवार को विपक्ष के 13 नेताओं ने देश में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा और नफरती भाषण संबंधी घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई और लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। संयुक्त बयान में 13 विपक्षी दलों ने कहा है कि वे 'क्षुब्ध' हैं कि भोजन, वेशभूषा, आस्था, त्योहारों और भाषा जैसे मुद्दों का इस्तेमाल सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा समाज का ध्रुवीकरण करने के लिए किया जा रहा है। यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत 13 नेताओं द्वारा जारी किया गया था।

मनमुताबिक नहीं बनी साबूदाना खिचड़ी तो बैंकर ने कर दी बीवी की हत्या

मुंबई। मनपसंद साबूदाना खिचड़ी ना मिलने पर मुंबई में एक शख्स ने अपनी महिला की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि भायंदर इलाके में चालीस साल की महिला की उसके पति ने जान ले ली। 46 साल के निकेश घाग पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप है। आरोप है कि नाश्ते की प्लेट में नमकीन साबूदाना खिचड़ी मिलते ही निकेश भड़क उठा। पुलिस के मुताबिक घटना के वक्त दोनों का 12 साल का बेटा भी मौजूद था और उसने मां को बचाने की नाकाम कोशिश की। आरोपी निकेश ने बाद में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस घटना से एक दिन पहले ही ठाणे के 76 साल के एक बिल्डर ने नाश्ता देर से देने पर अपनी बहू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं साबूदाना खिचड़ी के लिए पत्नी की जान लेने वाला निलेश एक बैंक कर्मचारी है। वारदात के दिन उसका उपवास था और पत्नी निर्मला ब्रेकफास्ट में साबूदाना खिचड़ी देने के बाद बेडरूम में चली गई। पुलिस ने आरोपी के बेटे के बयान का जिक्र करते हुए कहा, 'साबूदाना खिचड़ी नमकीन लगने पर गुस्से में निकेश बेडरूम में घुसा और अपनी पत्नी को बुरी तरह पीटने लगा।' घटना के गवाह निकेश के बेटे ने अपने पिता से बार-बार मां को ना मारने की गुहार लगाई। अपने बयान में उसने कहा है कि मां ने पिता से मुकाबला करते हुए खुद को बचाने का प्रयास किया लेकिन इसी दौरान पापा ने उनका गला दबा दिया। बेटे के मुताबिक इसके बाद आरोपी निकेश बालकनी से कपड़े लटकाने वाली नायलॉन की एक रस्सी लेकर आया और उससे मां का गला घोंट दिया। बेटे का कहना है कि मां फर्श पर पड़ी रही और पापा घर से चले गए।

मिस राजस्थान क्षत्राणी करिश्मा हाड़ा का क्षत्रिय महासभा द्वारा भव्य स्वागत किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट महिला इकाई के द्वारा गणगौर घूमर महोत्सव का भव्य आयोजन होटल सिग्नेट पार्क में किया गया। इसमें विशिष्ट अतिथि पूर्व मिस राजस्थान व कई संस्थाओं की ब्रांड ऐम्बैसडर करिश्मा हाड़ा एवं चोमू की महारानी रूक्षमणी कुमारी रहे।करिश्मा हाड़ा ने बताया की अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की अध्यक्ष भंवर कंवर शेखावत, कार्यकारी अध्यक्ष मधु राठौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीमा चौहान, ऐंकर आरती एवं अध्यक्ष अनीता चौहान व उनकी टीम ने कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया। स्पेशल गेस्ट में डॉ. मोनिका, प्रदेशमंत्री भाजपा महिला मोर्चा दीपा नाथावत, समाज सेविका मनीषा राजावत, लविशका राजावत, नैंसी राजावत रहे। कार्यक्रम में देश के अलग-अलग प्रदेशों से क्षत्राणियों ने भाग लिया। उत्तरप्रदेश से लेकर मध्यप्रदेश तथा राजस्थान के कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़, जोधपुर, क्षत्राणियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में लगभग 150 से भी ज्यादा क्षत्राणियों ने हिस्सा लिया। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री गणेश नारायण शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

राक्षी ग्राम पंचायत में नरेगा में भारी भ्रष्टाचार, कार्रवाई नहीं होने से भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद

सरपंच, सचिव पर तीन सौ तीन सौ रुपए वसूलने का संगीन आरोप

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। जिले की बनेड़ा पंचायत समिति की राक्षी ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत भारी धांधली चल रही हैं और जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा हैं। यही नहीं मजदूरों से काम नहीं करवाकर जेसीबी मशीन से काम करवाया जा रहा है और बदले में श्रमिकों से तीन सौ तीन सौ रुपए वसूल किए जा रहे हैं! ये बात वहाँ के श्रमिकों को नागवार गुजरी और उन्होंने इसको लेकर विकास अधिकारी से शिकायत की हैं, मगर विकास अधिकारी व सचिव द्वारा जांच में लीपापोती की जा रही हैं। लोग जेसीबी मशीन चलाने का विरोध कर रहे हैं तथा तीन सौ तीन सौ रुपए जेसीबी चलाने के नहीं दिए जाने पर उपस्थिति रहने के बावजूद भी मस्टररोल में अनुपस्थिति दर्ज की जा रही हैं! इससे खफा श्रमिकों ने एक प्रार्थना पत्र देकर विकास अधिकारी से दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। लोगों ने बताया कि महिला मेटों के स्थान पर पुरुष काम कर रहे हैं कुछ मेट तो ऐसे हैं जो बोर्ड का एज्जाम दे रहे हैं। उनकी जगह पुरुष मेट काम करने आ

रहे हैं। जो मनरेगा के नियमों के खिलाफ हैं और मनरेगा के कार्यक्रम को जांचने वाली कमेटी और अधिकारी इस मामले की जांच करें तो नरेगा में व्याप्त धांधली का खुलासा हो सकता हैं! लेकिन शिकायतों के बाद भी कोई अधिकारी भी मौके पर कार्रवाई करने नहीं पहुंच रहे हैं। इस संबंध में साक्षी ग्राम पंचायत के कुछ लोगों ने विकास अधिकारी को लिखित सूचना भी दी है लेकिन अब तक कोई जांच कार्यवाही नहीं होने से नरेगा में व्याप्त धांधली जारी है। उपस्थित लोगों की मेट द्वारा अनुपस्थिति लगाई जा रही है। इस संबंध में विकास अधिकारी ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है। विकास अधिकारी द्वारा जांच में ढिलाई बरतने से नरेगा में भ्रष्टाचार चरम पर हैं। एक शिकायतकर्ता ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मनरेगा में हो रहे धांधली बाजी के खिलाफ कोई भी शिकायत करता है तो उसे डराया धमकाया जाता हैं तथा उनसे कहा जाता है कि कोई भी अधिकारी राक्षी ग्राम पंचायत में व्याप्त घोटाले बाजी के खिलाफ कुछ भी कार्यवाही नहीं कर सकता। जब रायला के पत्रकार गोपाल वैष्णव ने विकास अधिकारी गणेश नारायण शर्मा से ग्राम पंचायत के संबंध में हो रही धांधली के मामले में बातचीत की तो बताया कि हम जांच कर लेंगे तथा दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही कर लेंगे। जब तक जांच नहीं आ जाती है तब तक खबर रोक दो। अब देखना ये होगा कि उच्च अधिकारी कब तक दोषियों के विरुद्ध कार्यवाई करते हैं या मिलीभगत से ऐसे ही भ्रष्टाचार चलता रहेगा! उक्त जानकारी रायला के पत्रकार गोपाल वैष्णव ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

उत्तर भारती एकता मंच द्वारा प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आईआईटी पवई में उत्तर भारती एकता मंच द्वारा आयोजित माता जी की चौकी में आए मधुर आवाज के धनी टी सीरीज के प्रख्यात लोकगायक श्री राकेश तिवारी (बबलू भईया) और साथ में माँ सरस्वती रूपाणी अंकिता व ज्योति शर्मा ने प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के चिन्ह का विमोचन माता की जयकारों से किया गया! मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रोहित उपाध्याय व राष्ट्रीय महासचिव श्री प्रमोद तिवारी के द्वारा माता की चौकी में आमन्त्रित करने पर प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार पांडेय ने उनका आभार व्यक्त किया हैं! गौरतलब हैं कि लोकगायक राकेश तिवारी बहुत ही मृदुभाषी और व्यवहार कुशल हैं और भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत ही अपने गीतों को समाज के सामने प्रस्तुत करते हैं! इस अवसर पर प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार पांडेय ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि उनका यह सबसे बड़ा संगठन सदैव पत्रकारों के हितार्थ कृतसंकल्पित हैं और हमेशा देश में कहीं पर भी पीड़ित पत्रकारों की आवाज शासन प्रशासन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं! उन्होंने देश के सभी पत्रकारों से संगठन से जुड़ने की अपील की हैं!

जागृति चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर कवि सम्मेलन आयोजित किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। जागृति चेरिटेबल ट्रस्ट एक प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्था है जो पिछले तीस वर्षों से कार्यशील है, हनुमान जन्मोत्सव (१६ अप्रैल २०२२, शनिवार) रात्रि को ट्रस्ट के द्वारा एक ऑनलाइन कवि सम्मेलन आयोजित किया गया जिसको फेसबुक लाइव के द्वारा बड़ी संख्या में लोगो ने सराहा। इस कार्यक्रम में श्री अतुल गर्ग (विधायक) भी मुख्य

अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस आयोजन में सुप्रसिद्ध कविगण डॉक्टर तारा गुप्ता, श्रीमती ममता किरण,श्री लक्ष्मी शंकर वाजपाई और डॉक्टर चेतन आनंद ने अपनी काव्यरचना को पेश किया! इस संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री लक्ष्मण कुमार गुप्ता तथा श्री सुशील गोयल ने भी अपनी काव्य रचना को लोगो के समक्ष रखा जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता श्री लक्ष्मी शंकर वाजपाई एवं मंच का संचालन श्री चेतन आनंद द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में लक्षण कुमार गुप्ता ने संस्थान का परिचय दिया तथा सीए आलोक गुप्ता ने सभी ट्रस्टियों का परिचय दिया और स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सभी ट्रस्टी सर्वश्री सीए आलोक गुप्ता (महासचिव), सीए रमाकांत माहेश्वरी (कोषाध्यक्ष), सीए सुनील गुप्ता, सीए अनिल गुप्ता, सीए केके कोहली, श्री एम. के. सेठ (रिटायर्ड चीफ मैनेजर एस.टी), सीए सचिन गर्ग, डॉक्टर रत्न लाल, अर्की० हिमांशु गुप्ता, श्री मनमोहन वोहरा, डॉक्टर आर के पोद्दार, वैभव गुप्ता, विशाल गुप्ता, सीए हेमंत गुप्ता, अंकित गुप्ता आदि उपस्थित रहे! उपलब्ध अतिथियों ने कविगणों की रचना की बहुत सराहना की। अंत में श्री लक्ष्मण कुमार गुप्ता जी ने सभी कविगण एवं अतिथियों को धन्यवाद दिया! उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जय भीम ऐप द्वारा डॉ. आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित भव्य कार्यक्रम

मुंबई। भारत रत्न और भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब आंबेडकर की 131वीं जयंती की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल, 2022 को मुम्बई के वरली इलाके में स्थित जांबोरी मैदान में शाम 6.00 से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसका आयोजन भीम उत्सव समन्वय समिति और शॉर्ट वीडियो ऐप जय भीम के साझा प्रयासों से संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन का नाम 'जल्लोष जयंतीचा' (जयंती का जश्न) रखा गया था। डॉ. आंबेडकर की जयंती से जुड़ा यह भव्य कार्यक्रम ऐतिहासिक जांबोरी मैदान में आयोजित किये गये अब तक के सबसे बड़े और भव्य कार्यक्रमों में से एक था। इस कार्यक्रम में 10,000 से अधिक लोगों और मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। आयोजन में शामिल प्रमुख नामों में शायर व गायक संभाजी भगत, शायरा स्मिताताई पाटिल, संगीत निर्देशक जॉलीदादा मोरे, गायक प्रवीण दोणे, कॉमेडियन सुनील पाल, साक्षी होलकर और नितिन रायकवार का शुमार रहा। आंबेडकर जयंती से जुड़े इस विशेष समारोह की शुरूआत में वरली के स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद लोकशायर के तौर पर मशहूर संभाजी भगत ने अपनी गायिकी से महफिल में समां बांध दिया। उनके अलावा हेमंत दोणे ने अपनी गायिकी से लोगों का दिल जीत लिया जबकि मेघा घाडगे ने डॉ. आंबेडकर से संबंधित गाने पर लावणी नृत्य से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जाने-माने कॉमेडियन सुनील पाल ने अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी से लोगों को हंसने पर मजबूर कर दिया। नितिन रायकवार और उनकी टीम ने जय भीम के थीम सॉन्ग पर बेहतरीन ढंग से परफॉर्म किया। गौरतलब है कि हर कलाकार को उनके हरेक परफॉर्मेंस पर खूब वाहवाही मिली। सभी कलाकारों ने इस बात को माना कि अब वो वक्त आ गया है जब हमारा अपना एक साझा मंच होना चाहिए। सभी कलाकारों ने इस बात से भी सहमत थे कि जय भीम ऐप बड़े पैमाने पर व भव्य तरह के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सक्षम है।

डॉ. आंबेडकर की जयंती से जुड़े इस कार्यक्रम को जय भीम ऐप की टीम ने बड़ी ही कुशलता के साथ आयोजित किया था जिसकी पूरी निगरानी निजी रूप से जय भीम ऐप के संस्थापक और सीईओ गिरीश वानखेड़े ने की थी। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम में शामिल सभी कलाकार शॉर्ट वीडियो ऐप जय भीम के सीईओ गिरीश वानखेड़े और अनूठे ऐप का बेहद सम्मान करते हैं और यही वजह है कि सभी कलाकार बड़ी आसानी से मंच पर परफॉर्म करने के लिए तैयार हो गये थे। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की 131वीं जयंती के मौके पर जय भीम ऐप ने 131 किलो का केक काटा गया जिसने इस अवसर को और भी यादगार बना दिया। इस अद्वितीय किस्म के केक को आईएएस अफसर हर्षदीप काम्बले और जय भीम ऐप के सीईओ गिरिश वानखेड़े के हाथों काटा गया। अब तक के सबसे भव्य आयोजनों में से एक आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर हुए कार्यक्रम में इस भव्य केक काटने के दौरान हुई आसमानी और जमीनी आतिशबाजी ने लोगों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया था।

अन्तर्चेतना में ध्यान को ले जाते हुए परम चेतना से जुड़ना ही श्रेयस्कर हैं: प्रमिला सिंह

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान। अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान (रजि0) के तत्वावधान में लता भाटिया स्मृति मे ध्यान योग शिविर का आयोजन शिवालिक पार्क अशोक नगर मे किया गया जिसमें फिजिकली और ऑनलाइन लगभग 150 साधक साधिकाओं ने भाग लिया। ध्यानयोग शिविर का शुभारम्भ ओ३म की ध्वनि और गायत्री मंत्र से संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री सुभाष गर्ग जी द्वारा किया गया तत्पश्चात संस्थान की कार्यकारिणी द्वारा श्रीमती लता भाटिया जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। संस्थान के महामंत्री दयानंद शर्मा ने सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, त्रिकोणासन एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया व इसके लाभों की चर्चा की। योगाचार्य संजय गर्ग ने अर्धमत्स्येंद्रासन, वज्रासन मण्डूकासन, शशांकासन कराकर शवासन में विश्राम कराकर लाभों की चर्चा की। संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक शास्त्री ने

तालासन व बम्बइया हास्यासन का अभ्यास कराया गया। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा श्रीमती प्रमिला सिंह जी ने द्वारा दीर्घ श्वसन प्राणायाम, अनुलोम- विलोम शांतमन से करने से ऊर्जा मिलती हैं! केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने 'ईश्वर कृपा को जिसने भी पाया, उसी का जन्म ये सफल हो गया है' वरिष्ठ योग शिक्षिका वीना वोहरा ने 'ओ३म नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊं गली गली' नामक गीत सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। योगाचार्य मनमोहन वोहरा ने स्व. लता भाटिया की संस्थान को योगदान की चर्चा करते हुए बताया कि मेरा उनसे 1998 में संपर्क हुआ यहीं से मेरी योग यात्रा प्रारंभ हुई, उनकी सत्यवादिता, योग के प्रति लगन, बुलंद आवाज को देख नित्य प्रेरणा मिलती थी, उनके पति श्याम सुंदर भाटिया भी उनको पूर्ण सहयोग देते थे। उनके आदर्शों पर चलकर हम और भी आगे बढ़ सकते हैं। संस्थान के अध्यक्ष श्री के. के. अरोड़ा जी ने भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे लगाकर कहा कि हमने स्व लता भाटिया और भोपाल सिंह जी से जीवन में बहुत कुछ सीखा है यह हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने मुसुकुराहट के साथ जीने पर बल दिया और आगामी योग कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया की मिट्ठी मालिश का प्रोग्राम 8 मई 2022 को होगा। उन्होंने सभी योग क्लासों से आये पदाधिकारियों, योग शिक्षकों और सभी साधकों का धन्यवाद किया। श्री प्रदीप त्यागी जी ने कार्यक्रम का आनलाइन जूम एप पर भी प्रसारण किया जिससे साधकों ने घर पर रहकर भी कार्यक्रम का लाभ उठाया। कार्यक्रम का कुशल संचालन योग शिक्षक श्री राजीव जिन्दल ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री अनिल स्वामी (पार्षद) राम प्रकाश गुप्ता, अजय मित्तल, श्रीमती वीना निश्चल, हरीओम सिंह, आशील कुमार, संत राम, चरथ कुमार, बी. जी. पाल, राजेश शर्मा, दामोदर गुप्ता आदि अनेकों गणमान्य लोग मौजूद रहे। श्रीमती दयावती, तूलिका गर्ग, पुष्पा एवं सुधा शर्मा द्वारा शांति पाठ एवं वैदिक प्रार्थना के साथ सभा सम्पन्न हुई तथा श्री विजय चौधरी द्वारा बनाई गई ठंडाई ग्रहणकर सभी ने खुशी खुशी अपने घरों को प्रस्थान किया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

रमजान में फल महंगे

तरबूज और खरबूज की बिक्री में इजाफा, व्यापारियों पर डीजल की कीमत बढ़ने से भाड़े की मार

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। पवित्र रमजान आते ही। ऐसे में फलों के दामों में इजाफा हुआ है। व्यापारियों ने बताया कि पैदावार कम होने से कीमतें बढ़ी हैं। वहीं सबसे ज्यादा तरबूज बहार पर दिख रहा है। रमजान उल मुबारक के रोजे इफ्तार में खजूर, केला, तरबूज, सेब, के सेवन से खपत बढ़ी है। फल विक्रेता नवाब बागवान ने बताया कि नवरात्रि और रमजान में फलों की मांग अधिक बढ़ जाती है। इस बार पैदावार भी कम और मांग अधिक है, तरबूज और खरबूज की बिक्री में इजाफा हुआ है। शहर में मार्च महीने के पहले

पखवाड़े तक तरबूज की बिक्री ज्यादा नही हो रही थी। गर्मी ने जैसे ही अपना असर दिखना शुरू किया, फलों की दुकानों पर तरबूज और खरबूज की बिक्री भी बढ़ने लगी। तरबूज 20 रुपए प्रति किलो बेचा जा रहा है। दुलाई खर्च बढ़ा, पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ने से भी माल दुलाई का खर्च बढ़ गया है। राज्य के अलग-अलग इलाकों से फलों की आवक होती है। ट्रांसपोर्ट का किराया बढ़ने से फलों के दामों में इजाफा हुआ है। बुलढाणा में फलों की आवक नासिक, आंध्र प्रदेश, जलगांव, नागपुर से होती है। इस बार मार्च में फसल पर असर पड़ा पिछले साल से रही अच्छी आवक,- बुलढाणा के फ्रूट मार्केट व्यापारी ने बताया कि पिछले साल फलों की पैदावार अच्छी होने के कारण आवक अच्छी रही। इस बार अधिक गर्मी होने के कारण फसलें खराब हुई हैं। जिससे आवक कम और मांग अधिक होने से दाम बढ़े हैं। इस वर्ष फलों के खुदरा भाव तरबूज 20 रुपये किलो खरबूज 15 से 20 किलो अनार 80 रुपए किलो अंगूर80 रूपए, सेब 160 रुपया किलो , केला रुपये 20 से रुपये 40 दर्जन, आम 120 से रुपये 240 तक विक्री हो रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चरित्रवान व नशा मुक्त युवा पीढ़ी का निर्माण ही मुख्य लक्ष्य हैं: अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तराखण्ड की आर्य कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज नैनीताल में सम्पन्न हुई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज चरित्रवान नशा मुक्त युवा पीढ़ी का निर्माण करेगा।सुसंस्कारित, सुसंस्कृत युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का उज्जवल भविष्य हैं।आज की युवा पीढ़ी भारतीय संस्कृति पर अपने महापुरुषों पर गर्व करना सीखें। नई पीढ़ी को अपने पुरातन इतिहास को पढ़ने की आवश्यकता है। युवा पीढ़ी को सुसंस्कारित, सुसंस्कृत व दिशा देने के लिए वीर भरत की जन्म स्थली गुरुकुल कण्व आश्रम, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल में 'विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर' दिनांक 4 जून से 12 जून 2022 तक आयोजित किया जायेगा, जिसमे संध्या, यज्ञ, वैदिक संस्कृति की जानकारी के साथ साथ योगासन,दंड बैठक, लाठी,जुडो कराटे आदि आत्म रक्षा शिक्षण भी दिया जायेगा। आयु 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के युवक भाग लेंगे साथ ही योग साधना शिविर भी चलेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ। समाज के मंत्री आचार्य केदार सिंह जी ने यज्ञ करवाया व कुशल संचालन किया। सत्यप्रकाश आर्य (बरेल), प्रवीन आर्या (दिल्ली) के मधुर भजन हुए नैनीताल आर्य समाज के प्रधान अशोक कंसल ने सभी का आभार व्यक्त किया। नीरज रावत, नीरज गौस्वामी, आस्था आर्य, कमल कुमार, सुशील नागपाल, सुशील मेहता, गौरव राघव आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जन्मोत्सव पर कानपुर के मंदिरों में उमड़े हनुमान भक्त

सुंदरकांड हनुमान चालीसा पाठ के साथ हनुमानजी को अर्पित किया गया सवा मन लड्डुओं का भोग

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। शनिवार को और हम राम भक्त संकट मोचक श्री हनुमान जी का जन्म उत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। आज की हनुमान जयंती पर शहर में विभिन्न स्थानों पर हनुमान जी से जुड़े अनेक धार्मिक आयोजन भी किए गए। वही आज शनिवार की सुबह से ही जन्मोत्सव पर हनुमान जी के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में उनके वक्त शहर के विभिन्न मंदिरों में उमडते दिखाई पड़े। पनकी के सुप्रसिद्ध हनुमान मंदिर के साथ ही कमला टावर स्थित श्री सालासर बालाजी मंदिर में भगवान को सवामणी प्रसाद का भोग अर्पित किया गया और भक्तों ने सुंदरकांड का पाठ कर सुख समृद्धि की कामना की। हनुमान जयंती पर इसी प्रकार नेहरू नगर स्थित बालाजी मंदिर और बनखंडेश्वर मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया गया। क्रीड़ा भारती की ओर से शहर के विभिन्न मैदानों में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। शनिवार की सुबह श्री सालासर बालाजी महाराज मंदिर में भक्तों ने हनुमान चालीसा सुंदरकांड का पाठ कर श्री सालासर बालाजी महाराज को सवामणी का भोग प्रसाद अर्पित कर भक्तों में वितरित किया। उसके बाद मंदिर में भक्तों द्वारा पूरे दिन सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्री सालासर बालाजी महाराज की 101 दीपों से महाआरती आयोजित की गई। वहीं नेहरू नगर स्थित श्री बालाजी महाराज मंदिर में संकट मोचन के जन्मोत्सव के दूसरे दिवस पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम और भजन संध्या आयोजित की जाएगी। राम भक्त हनुमान की जन्म उत्सव पर आजमंदिर प्रबंधन ने भी भोर पहर भक्तों के साथ बालाजी महाराज का श्रृंगार पूजन किया। संकट मोचन हनुमान महाप्रभु के जन्मोत्सव पर दर्शन पूजन के लिए श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी लंबी कतार लग गई। भक्त दर्शन पूजन कर भगवान से सुख समृद्धि की कामना की।

रामपुर में निशुल्क गाय वितरण का आयोजन

संवादाता/सुबहान अली

रामपुर। प्राकृतिक संसाधनों का ट्रस्ट की तरफ ग्राम नानकार थाना गंज जिला रामपुर में निशुल्क गाय वितरण का आयोजन किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी जी द्वारा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा। कि जिस तरह से आज पर्यावरण का विनाश हुआ है और प्रदूषण बड़ा है उससे लोगों के मन में चिंता बढ़ी है। जिसने लोगों का ध्यान अब जैविक खेती व गौ संरक्षण के महत्त्व की तरफ आकर्षित किया है। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके महत्व व उपयोगिता के बारे में बताना चाहिए। प्राकृतिक संसाधनों के मुख्य ट्रस्टी व प्रबंधक विजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि लोगों की मांग पर गाय वितरण का कार्यक्रम लगातार किया जा रहा है अब हम तैयार गाय वितरण कर रहे हैं। इस बार गाय वितरण अनिल कुमार मित्तल निवासी बरेली के सौजन्य से किया गया। इसी तरह हम लगातार भविष्य में भी गाय वितरण का कार्यक्रम करते रहेंगे। इस अवसर पर शशांक सिंघल, प्रमोद कुमार, सलविंदर विराट, मिलन सक्सेना, हेमंत बंसल, राहुल सैनी, यूसुफ, प्रवीण, कल्पना अग्रवाल, सरिता मित्तल, श्रुति अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। जिला रामपुर उत्तर प्रदेश।

कानपुर में लूटने के पहले ही तमंचे समेत धरा गया शातिर

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। लूट की वारदात को अंजाम देने के पहले ही पुलिस की सक्रियता के फलस्वरूप एक शातिर अपराधी को तमंचे और कारतूस समेत गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली गई। इस शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने में यह सफलता पनकी पुलिस को तब मिली। जब इसके पहले भी अनेक शातिर अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके इंडस्ट्रियल एरिया के चौकी प्रभारी सतीश यादव अपनी टीम के साथ इलाके में गश्त के लिए निकले हुए थे उसी दौरान मुखबिर ने जो सटीक सूचना दी उसी के तहत प्रभावी कार्रवाई करते हुए लूट के इरादे से खड़े हुए शातिर अपराधी फरार होने के पहले ही 315 बोर के तमंचे और कारतूस समेत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पकड़ा गया संजय कुमार नामक यह शातिर अपराधी उस समय इंडस्ट्रियल एरिया इलाके में लूट की किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। अब पुलिस उसके फरार अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है।

मोदी और शाह बतायें भारतीय मुसलमानों को शांति से रहने देंगे या फिर नरसंहार कराकर ही दम लेंगे: नजरे आलम

धर्म को आधार बनाकर आर.एस.एस. के गुंडो को खुली छूट देना संविधान के खिलाफः बेदारी कारवाँ

केन्द्र सरकार मुस्लिम विरोधी, देश में दंगा भड़काने की कर रही साजिश, मुसलमानों को अपनी सुरक्षा और देशहित में रहना होगा होशियार

मधुबनी। आज जिस प्रकार से महाराष्ट्र से लेकर यूपी तक में लाउडस्पीकर से अजान के खिलाफ हनुमान चालिसा का पाठ पढ़ाने का सिलसिला शुरू किया गया है वह देश के लिए चिंताजनक है। जिस प्रकार से हनुमान चालिसा के बहाने विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और आरएसएस के गुंडों ने पूरे देश में आतंक मचा रखा है उससे साफ है के मोदी और शाह देश को दंगा की आग में झोंकने और मुसलमानों का नरसंहार कराने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। उक्त बातें ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम ने मिडिया से बात करते हुए कही। श्री आलम ने आगे कहा के यूपी चुनाव के बाद से केन्द्र सरकार के संरक्षण में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और आरएसएसके गुंडों ने मुसलमानों को हिजाब और अजान के नाम पर टार्गेट करना शुरू कर दिया है उससे भारतीय मुसलमानों में बेचैनी पैदा हो गई है और अब मुस्लिम समुदाय अपनी सुरक्षा और देशहित में ठोस कदम उठाने पर विचार कर रही है। नजरे आलम ने साफ तौर पर कहा के आप हनुमान चालिसा 24 घंटे पढ़ो उससे मुस्लिम समुदाय को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन हिजाब और अजान हमारे धर्म का लाजमी हिस्सा है इसमें किसी प्रकार का रुकावट बर्दाश्त नहीं क्या जा सकता। श्री आलम ने यह भी कहा के केन्द्र की मोदी सरकार मुस्लिम विरोधी है और देश में मुसलमानों का नरसंहार कराना चाहती है यही कारण है के भारतीय मुसलमानों में काफी आक्रोश पाया जा रहा है। मोदी शाह बताएं जब मुस्लिम समुदाय को किसी के धर्म से कोई आपत्ति नहीं तो फिर मुस्लिम समुदाय के धर्म पर एतराज क्यों। भारत संविधान से चलेगा न के विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और आरएसएस के गुंडों के आतंक से। भारतीय संविधान हमें ही नहीं देश में रहने वाले सभी जाति धर्म के मानने वालों को आजादी के साथ अपने अपने धर्म पर अमल करने और जीने का अधिकार देता है। मोदी और शाह विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल और आरएसएस के गुंडों के द्वारा मुसलमानों को डराना, धमाका, जलवाना और मरवाना बंद करे। इस देश पर जितना दूसरों का अधिकार है उससे कहीं ज्यादा भारतीय मुसलमानों का अधिकार है। अगर लाउडस्पीकर से परेशानी है तो सभी धर्म के मानने वालों पर लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाओ, सिर्फ मुसलमानों को टार्गेट करना नहीं चलेगा। मुसलमानों पर सरकार के संरक्षण में हो रहे हमले को अविलंब रोके केन्द्र सरकार नहीं तो अपनी सुरक्षा और देश को बचाने के लिए मुस्लिम समुदाय भी ठोस जवाब देने को मजबूर होगा। मुसलमानों के सब्र का इम्तिहान न ले। जुल्म की एक इन्तेहा होती है। लेकिन जब जुल्म हद से ज्यादा बढ़ जाए तो उसे रोकना मजबूरी हो जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानिए, नाश्ते में दूध पीना फायदेमंद है या नहीं

ब्रेकफास्ट हमारे दिन का सबसे महत्वपूर्ण मील है। ऐसे में इसमें पौष्टिक चीजों को शामिल करना बहुत जरूरी है ताकि पूरा दिन शरीर एनर्जेटिक रहें। कुछ लोग नाश्ते में रोजाना दूध पीते है लेकिन जरूरी नहीं यह हर किसी के लिए फायदेमंद हो। कई लोगों को यह नुकसान भी पहुंचाता है। एक कप दूध में 8 ग्राम प्रोटीन होता है। ऐसे में दूध पीने के बाद पेट भरा महसूस होता है। इसमें मौजूद प्रोटीन हड्डियों, मांसपेशियों और प्रतिरक्षा तत्वों का निर्माण करने में मदद करता है लेकिन खाली पेट इसे पीने से यह पचने में अधिक समय लेता है। अगर आप नाश्ते में दूध शामिल करना चाहते हैं तो इसे बनाना शेक या मेगो शेक के तौर पर ले सकते है।

किन लोगों के लिए नाश्ते में दूध पीना हैं फायदेमंद

जिन लोगों की पाचन शक्ति मजबूत हो उनके लिए सुबह नाश्ते में दूध पीना फायदेमंद होता है। वहीं, सुबह दूध में तुलसी मिलाकर पीने से कई सेहत संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इसमें चीनी मिलाकर पीएं। इससे दूध में मौजूद कैल्शियम हड्डियों तक आसानी से पहुंचेगा।

दूध पीने के नुकसान

अगर आपको पाचन संबंधित समस्या है तो खाली पेट भूलकर भी न दूध पीएं। खाली पेट दूध पीने से आपको गैस और कब्ज जैसी प्रॉब्लम हो सकती है। एक शोध के मुताबिक, दूध की वजह से महिलाओं की हड्डियों में फ्रैक्चर होने के चांस बढ़ जाते है। दिन में तीन से ज्यादा गिलास दूध पीना भी सेहत के लिए हानिकारक है। इसमें मौजूद फैट हड्डियां कमजोर करने का कारण भी बनता है।

किस समय पीना चाहिए दूध

बुजुर्गों के लिए दोपहर के समय दूध पानी फायदेमंद होता है। वहीं, अगर आप रात को इसका सेवन करते हैं तो इससे नींद भी अच्छी आएगी और दिनभर की थकान भी दूर होगी। खाने के साथ दूध का सेवन न करें।

बिना किसी साइड-इफैक्ट के नैचुरल तरीके से बालों को करें स्ट्रेट

बालों को स्ट्रेट करना इतना ट्रेंड में है कि लड़कियां इसके लिए पार्लर जा कर हजारों पैसे खर्च कर रही हैं क्योंकि इससे उन्हें बालों में कंघी करने या फिर हेयर स्टाइल बनाने में कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन पार्लर में बालों को स्ट्रेट करने के लिए कई तरह के केमिकल इस्तेमाल किए जाते है, जिसके बाद में कई तरह के साइड इफैक्ट भी होते हैं। जिससे आप बिना किसी साइड इफैक्ट के बालों को स्ट्रेट और खूबसूरत बना सकेंगी।

1. अंडे और जैतून तेल का हेयरमास्क

सामग्री

अंडे- 2

जैतून का तेल- 3 टेबलस्पून

बनाने का तरीका

1. सबसे पहले बाऊल में 2 अंडे डाल कर फेंट लें और फिर इसमें 3 टेबलस्पून जैतून का तेल मिक्स करें।
2. अब इस मास्क को बालों पर 1 घंट के लिए लगाएं और बाद में इसे किसी माइल्ड शैम्पू के साथ धो लें। इस उपाय को सप्ताह में 1 बार करें।

2. दूध और शहद का हेयरमास्क

सामग्री

दूध- 1/4 कप

शहद- 2 टेबलस्पून

बनाने का तरीका

1. बाऊल में दूध और शहद डाल कर अच्छी तरह मिक्स कर लें।
2. अब बालों को थोड़े-थोड़े हिस्से में बांट ले और तैयार किए हेयर मास्क को बालों पर लगाएं।
3. फिर बालों को शॉवर कैप से 2 घंटे ढका रहने दें और बाद में इसे हल्के शैंपू, ठंडे पानी के साथ धो लें।

3. चावल का आटा और अंडा

सामग्री

अंडे का सफेद भाग- 1

चावल का आटा- 5 टेबलस्पून

दूध - 1/4 कप

बनाने का तरीका

1. बाऊल में सारी सामग्री डाल कर अच्छी तरह मिक्स कर लें।
2. इस हेयर मास्क को बालों पर 1 घंटे तक लगाएं।
3. फिर बालों को सादे पानी से धो लें।

चिकन पॉक्स के दाग खूबसूरती को कर रहे हैं फीका तो अपनाएं ये घरेलू उपाय

चिकन पॉक्स की समस्या ज्यादातर गर्मियों में देखने को मिलती है। इसे आम भाषा में कुछ लोग माता भी कहते हैं। यह वेरिसेला जोस्टर वायरस के कारण होने वाली संक्रामक बीमारी है। इस समस्या के होने पर शरीर चेहरे से लेकर पूरे शरीर पर छाले, फफोले जैसे दाने हो जाते हैं। इसके अलावा चिकन पॉक्स होने पर शरीर पर खुजली, थकान और बुखार होने लगता है। चिकन पॉक्स ठीक होने के बाद कई बार चेहरे पर दाग रह जाते हैं जिसके कारण चेहरे की ब्यूटी खराब हो जाती है। अगर आप भी इन दागों के कारण परेशान है तो इन घरेलू नुस्खों को इस्तेमाल करके इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

1. शहद का करें इस्तेमाल

चिकन पॉक्स के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए शहद का प्रयोग काफी फायदेमंद है। इस इस्तेमाल करने के लिए शहद में ओट्स मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसे आधे घंटे तक दागों पर लगाएं और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

2. पपीता का इस्तेमाल

पपीते का पेस्ट चेहरे के दाग-धब्बों को हटाने के अलावा यह स्किन को हाइड्रेट करता है और डेड स्किन हटाने में भी मदद करता है। इस पेस्ट को लगाने के बाद त्वचा निखरी हुई महसूस होती है।

3. नींबू का इस्तेमाल

चिकन पॉक्स के निशानों से छुटकारा पाने के लिए रोजाना नींबू को दागों पर रगड़ें और आधे घंटे बाद चेहरे को धो लें। इससे दाग धीरे-धीरे हल्के होकर साफ जाएंगे।

4. टमाटर

चेहरे से दाग-धब्बे हटाने के लिए टमाटर का पल्प इस पर लगाएं औ फिर चेहरे को पानी से धो लें। इसके अलावा टमाटर के रस में नींबू का रस मिला कर इन दागों पर लगाएं। इस समस्या से बहुत जल्दी आराम मिलेगा।

5. चंदन पाउडर

ओलिव ऑयल में चंदन पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को गड्ढों, दाग-धब्बों पर लगाएं और मालिश करें। इस उपाय को दिन में 3-4 बार करें। इस उपाय से आपको कुछ ही दिनों में फायदा मिलेगा।

नहीं छूट रही है स्मोकिंग की लत तो ट्राई करें ये 7 तरीके

सिगरेट पीना आजकल लड़के, लड़कियों सेलेकर छोटे-छोटे बच्चों तक के लिए ट्रेंड बन गया है। सिगरेट पीना सेहत के लिए हानिकारक होने के साथ कई जानलेवा बीमारियों का कारण भी बनता है। एक रिसर्च में भी यह बात साबित हो चुकी है, भारतीय लोग धूम्रपान करने में सबसे आगे होते है। कुछ लोग इस लत से छुटकारा पाने के लिए कई तरीके इस्तेमाल करते हैं लेकिन वह चाहकर भी इसे छोड़ नहीं पाते। अगर आप भी सिगरेट की लत को छोड़ना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसे उपाय बताएंगे, जिससे आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगी।

1. अजवायन के बीज

जब भी आपको सिगरेट पीने की तलब लगे तो अजवायन के कुछ बीच लें और उन्हें चबाएं। शुरू में यह आपको मुश्किल मिलेगा लेकिन कुछ ही दिनों में इससे आपकी धूम्रपान करने की लत दूर हो जाएगी।

2. दालचीनी

सिगरेट की लत को छोड़ने के लिए आप दालचीनी के एक टुकड़ा और थोड़ी देर के लिए चूसते रहें। सिगरेट की तलब लगने पर ऐसा करें। इससे आपको सिगरेट छोड़ने में मदद मिलेगी।

3. अंगूर के बीज

सिगरेट छोड़ने के लिए यह सबसे अच्छा तरीका है। जब भी आपको सिगरेट पीने का मन करें तो इसके कुछ दानें लेकर चबाएं। इसका सेवन सिगरेट की लत को दूर करने के साथ रक्त में एसिडिटी को कम करके स्मोकिंग से होने वाले नुकसान से भी बचाता है।

4. कॉपर के बर्तन पानी पीएं

रोजाना कॉपर के बर्तन में रखे हुए पानी को दिन में 2 दिन पीएं। इससे शरीर में जमा हुए विषैले पर्दाथ बाहर निकल जाते हैं। नियमित रूप से कॉपर में रखे बर्तन में पानी पीने से सिगरेट पीने की लालसा कम हो जाती है।

5. शहद

शहद में विटामिन्स, एंजाइम और प्रोटीन होता है जो कि आराम से स्मोकिंग की आदत को छुड़वाने में मदद करता है। जब भी आपको सिगरेट पीने की लालस हो तो शहद चाट लें। इससे कुछ समय में ही आपकी सिगरेट पीने की आदत दूर हो जाएगी।

6. तुलसी

सिगरेट पीने की बजाए आप तुलसी की पत्तियों को चबाएं। हर सुबह और शाम लगभग 2-3 तुलसी की पत्तियां चबाने से सिगरेट पीने की लत छूट जाती है।

7. अश्वगंधा

अश्वगंधा से शरीर डिटॉक्स होता है और यह स्ट्रेस को दूर करने के साथ ही तंबाकू की लत को छुड़वाने में भी मदद करता है। अश्वगंधा की जड़ों से तैयार किए गए पाउडर को पानी के साथ मिलाकर लगातार कुछ दिन पीने से सिगरेट की लत छूट जाती है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

माँ बनने के बाद पहली बार बेटी के बारे में बोली प्रियंका

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा में जनवरी में सरोर्गेसी की मदद से एक बेटी को जन्म दिया था। लिल्ली सिंह की बुक लांच पर पहुंची प्रियंका ने पहली बार अपनी बेटी के बारे में बात की और बताया कि वह अपनी बेटी को उसकी मर्जी कि जिन्दगी जीने देंगी। प्रियंका ने आगे बताया कि उनके माता पिता कैसे थे और अपनी बेटी को किस तरह की माँ देना चाहती है। लिल्ली सिंह ने अपनी नयी किताब लांच की है 'Be a Triangle: How I Went from Being Lost to Getting My Life ...' और प्रियंका के साथ इसी के बारे में बात करते हुए दोनों के बीच और भी कई बाते हुई। बातचीत के दौरान प्रियंका ने बताया की वह नयी नयी माँ बनने के बाद किस तरह की मानसिकता रखती है। प्रियंका ने बताया मैं अपनी बेटी पर अपनी उम्मीदे, अपने सपने, अपने फैसले लादना नहीं चाहती। मैं मानती हूँ की बच्चे हमारा हिस्सा होते है न कि हमारा अधिकार। उनकी अपनी लाइफ होती है। मैं ये कभी नहीं करूंगी कि ये मेरा बच्चा है इस पर मेरा हक है इसकी लाइफ को सँभालने सँवारने का। नहीं। कुछ मामलो में मेरे माता पिता अनिर्णायक रहे है।

लॉकअप में कंगना रनौत ने किया सबसे बड़ा खुलासा

हमेशा अपने विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाली एक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों अपने रियलिटी शो लॉकअप को लेकर चर्चा में छाई हुई हैं। हाल ही में लॉक अप में अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के पांच साल पूरे होने की खुशी में एकता कपूर अपने भाई तुषार कपूर के साथ पहुंची। कंगना रनौत ने दोनों का स्वागत किया। इस दौरान शो के 300 मिलियन व्यूज पूरे होने का भी जश्न मनाया गया। कंगना ने शो के दौरान तुषार कपूर को लेकर एक बहुत बड़ा खुलासा किया। एक्टर तुषार कपूर ने कंगना की जेल में खास अंदाज में कैदियों से मुलाकात की। इस दौरान एक्टर कहते हैं, मुझे पता था कि मंदना बहुत शरारती हैं लेकिन यहां आकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं मैडम तुसाद म्यूजियम में हूं और सभी मूर्तियां जीवित हो गई हैं। इतना ही नहीं आगे एक्टर शो होस्ट की तारीफ करते हुए कहते है कि मैं आपसे मिलने के लिए काफी एक्साइटेड था आप तो मेरी फेवरेट अभिनेत्रियों में से एक हैं। मैं आपकी हर फिल्म देखने के बाद ट्वीट करता हूं। तुषार की बात सुनकर कंगना मुस्कुराते हुए कहती हैं कि इस पूरी फिल्म इंडस्ट्री में तुषार कपूर से बड़ा मेरा कोई समर्थक नहीं है। इंडस्ट्री में मेरा कई लोगों से झगड़ा हो चुका है और कई मामलों में तुषार मेरा सबसे पहले समर्थन करते हैं, जो कि अविश्वसनीय है। कंगना आगे बोलती है कि अभी तक मेरा फिल्म इंडस्ट्री के कई सारे लोगों से झगड़ा हो चुका है और कई मामलों में तुषार ने ही सबसे पहले मेरा सपोर्ट किया है।

अजय ने किया चौंकाने वाला खुलासा

अजय देवगन इस वक़्त अपनी आने वाली फिल्म रनवे 34 के प्रमोशन में बिजी है। इसी फिल्म के एक प्रमोशनल इवेंट में अजय ने खुलासा किया की वह अपनी जवानी में कुछ ऐसी हरकते कर चुके है जो काफी वाइल्ड थी। अजय से जब जेल जाने के बारे में पूछा गया तो इस बात का खुल कर जवाब देना उन्होंने सही नहीं समझा क्यूंकि वह एक पब्लिक प्लेटफॉर्म पर थे। लेकिन उन्होंने मजाकिया तौर पर उस बात कि तरफ इशारा किया जो उन्हके लिए सबके सामने खुलकर बोलने लायक नहीं थी। अजय ने इस पर बात करते हुए कहा ओके एक इस बारे में बात नहीं करते है क्यूंकि यह हो चुकी बाते है। अब मेरी एक अच्छी इमेज है लोगो कि नजरो में उसे बने रहने देना चाहिए। हमने अपनी जवानी में बहुत सी 'वाइल्ड थिंग्स' की है, हर कोई करता ही है। गोलमाल एक्टर ने बताया की पहले इतनी पाबंदियां नहीं थी क्यूंकि सोशल मीडिया नहीं था। अजय ने आगे कहा ₹हमारे टाइम पर मीडिया और कानून इतनी 'दयालु' और 'भूल जाने' वाली थी। कोई ज्यादा गौर नहीं करता था और लोगो तक बात नहीं पहुँच पाती थी। इसीलिए हम बच गए। आज के जमाने में और तब में बहुत फर्क है। जो मस्ती और वाइल्ड चीजे हमने की है आज की युथ नहीं कर सकती।